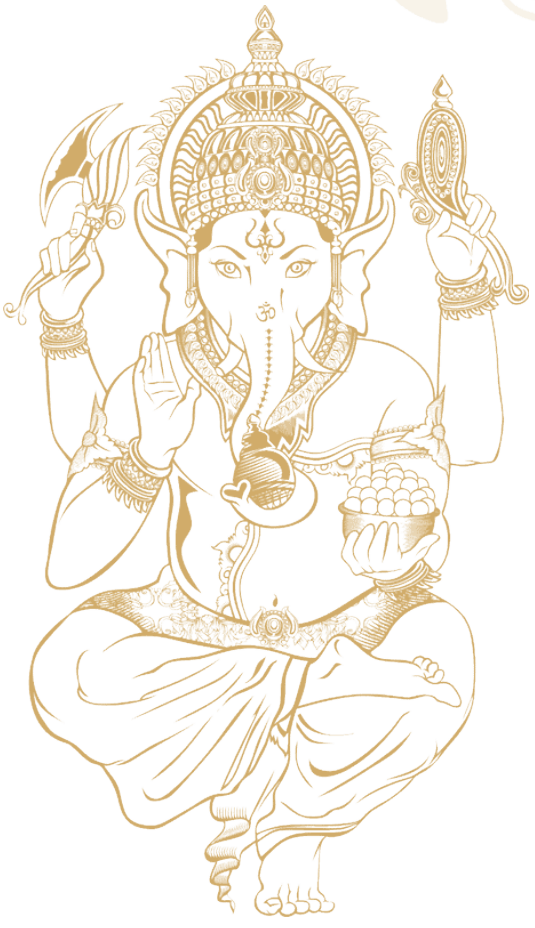

Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO

Ms.NEHA KUMARI

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119382103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/08/1982	जन्म तिथि	15-16/03/1992
शनिवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 14:10:00	जन्म समय	04:15:00 घंटे
घटी 22:15:45	जन्म समय(घटी)	55:54:35 घटी
India	देश	India
Saharsa	स्थान	Banka
25:54:00 उत्तर	अक्षांश	24:53:00 उत्तर
86:36:00 पूर्व	रेखांश	86:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:16:24	स्थानिक संस्कार	00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:15:42	सूर्योदय	05:51:41
18:21:20	सूर्यास्त	17:51:02
23:36:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:11

विंशोत्तरी
चन्द्र 0वर्ष 7मा 4दि
शनि
19/03/2024
20/03/2043

शनि	23/03/2027
बुध	30/11/2029
केतु	09/01/2031
शुक्र	11/03/2034
सूर्य	21/02/2035
चन्द्र	21/09/2036
मंगल	31/10/2037
राहु	06/09/2040
गुरु	20/03/2043

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृश्चि	24:36:48
सूर्य	कर्क	27:37:28
चंद्र	वृष	22:32:16
मंगल	तुला	12:45:15
बुध	सिंह	16:15:03
गुरु व	तुला	09:59:59
शुक्र	कर्क	06:15:50
शनि	कन्या	24:25:30
राहु व	मिथु	19:09:51
केतु व	धनु	19:09:51
हर्ष	वृश्चि	06:58:36
नेप	धनु व	00:47:53
प्लूटो व	तुला	00:58:08

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मक	29:19:05
सूर्य	मीन	01:51:14
चंद्र	कर्क	22:59:33
मंगल	मक	26:50:45
बुध	मीन	17:28:40
गुरु व	सिंह	13:54:03
शुक्र	कुंभ	08:39:17
शनि	मक	20:41:16
राहु व	धनु	12:40:48
केतु व	मिथु	12:40:48
हर्ष	धनु	23:41:20
नेप	धनु	24:51:36
प्लूटो व	तुला	29:05:13

विंशोत्तरी
बुध 8वर्ष 11मा 6दि
शुक्र
21/02/2008
21/02/2028

शुक्र	22/06/2011
सूर्य	22/06/2012
चन्द्र	20/02/2014
मंगल	22/04/2015
राहु	22/04/2018
गुरु	21/12/2020
शनि	21/02/2024
बुध	22/12/2026
केतु	21/02/2028

लग्न-चलित

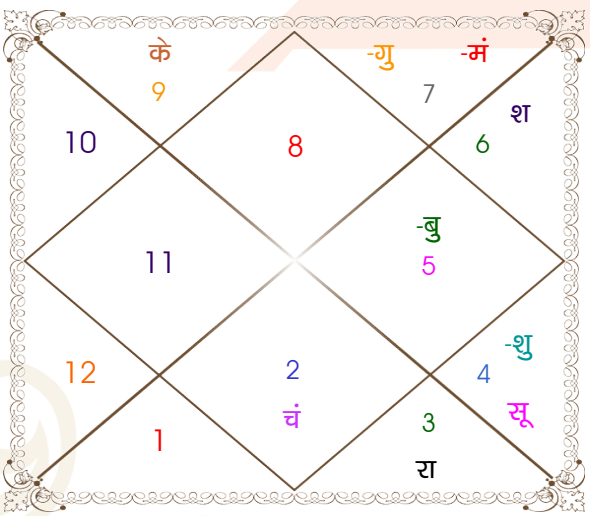

लग्न-चलित

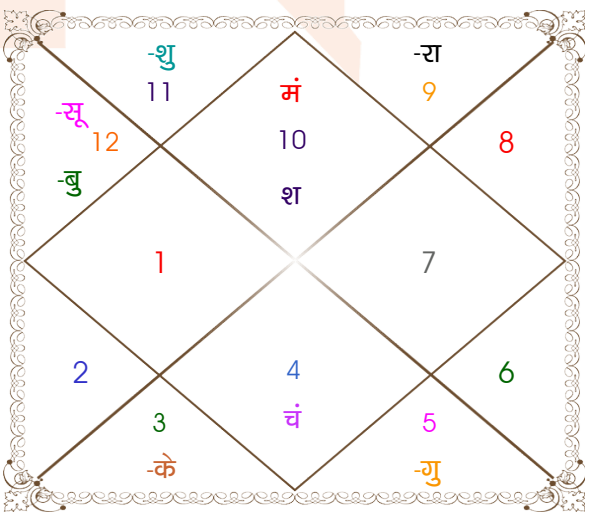

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO का वर्ग मृग है तथा डेण्छम्भ। झन्ड ।त्प का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO और डेण्छम्भ। झन्ड ।त्प का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्छम्भ। ज्ञन्ड ।त्प मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल डेण्छम्भ। ज्ञन्ड ।त्प कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्छम्भ। ज्ञन्ड ।त्प कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण्छम्भ। ज्ञन्ड ।त्प कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.GAUTAM KUMAR BHUDEO तथा डेण्छम्भ। ज्ञन्ड ।त्प में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।